

हिन्दी / HINDI

पेपर II / Paper II

(साहित्य) / (LITERATURE)

निर्धारित समय : तीन घंटे
Time Allowed : **Three Hours**

अधिकतम अंक : 250
Maximum Marks : 250

प्रश्न-पत्र के लिए विशिष्ट अनुदेश

कृपया प्रश्नों के उत्तर देने से पूर्व निम्नलिखित प्रत्येक अनुदेश को ध्यानपूर्वक पढ़ें :

इसमें आठ प्रश्न हैं जो दो खण्डों में विभाजित हैं ।

परीक्षार्थी को कुल पाँच प्रश्नों के उत्तर देने हैं ।

प्रश्न संख्या 1 और 5 अनिवार्य हैं तथा बाकी में से प्रत्येक खण्ड से कम-से-कम एक प्रश्न चुनकर किन्हीं तीनों प्रश्नों के उत्तर दीजिए ।

प्रत्येक प्रश्न/भाग के अंक उसके सामने दिए गए हैं ।

उत्तर हिन्दी (देवनागरी लिपि) में ही लिखे जाएंगे ।

प्रश्नों में शब्द सीमा, जहाँ विनिर्दिष्ट है, का अनुसरण किया जाना चाहिए ।

प्रश्नों के उत्तरों की गणना क्रमानुसार की जाएगी । यदि काटा नहीं हो, तो प्रश्न के उत्तर की गणना की जाएगी चाहे वह उत्तर अंशतः दिया गया हो । प्रश्न-सह-उत्तर पुस्तिका में खाली छोड़ा हुआ पृष्ठ या उसके अंश को स्पष्ट रूप से काटा जाना चाहिए ।

QUESTION PAPER SPECIFIC INSTRUCTIONS

Please read each of the following instructions carefully before attempting questions :

*There are **EIGHT** questions divided in **TWO SECTIONS**.*

*Candidate has to attempt **FIVE** questions in all.*

*Questions no. 1 and 5 are compulsory and out of the remaining, any **THREE** are to be attempted choosing at least **ONE** question from each section.*

The number of marks carried by a question / part is indicated against it.

*Answers must be written in **HINDI** (Devanagari Script).*

Word limit in questions, wherever specified, should be adhered to.

Attempts of questions shall be counted in sequential order. Unless struck off, attempt of a question shall be counted even if attempted partly. Any page or portion of the page left blank in the Question-cum-Answer Booklet must be clearly struck off.

SECTION A

Q1. निम्नलिखित काव्यांशों की संदर्भ-सहित व्याख्या (लगभग 150 शब्दों में) प्रस्तुत करते हुए उनके काव्य-सौंदर्य का परिचय दीजिए :

10×5=50

- (a) स्याम मुख देखे ही परतीति ।
जो तुम कोटि जतन करि सिखवत जोग ध्यान की रीति ॥
नाहिन कछू सयान ज्ञान में यह हम कैसे मानैं ।
कहौ कहा कहिए या नभ को कैसे उर में आनैं ॥
यह मन एक, एक वह मूरति भृंगकीट सम माने ।
सूर सपथ दै बूझत ऊधौ यह ब्रज लोग सयाने ॥ 10
- (b) कहेहु तात अस मोर प्रनामा । सब प्रकार प्रभु पूरनकामा ॥
दीन दयाल बिरिदु संभारी । हरहु नाथ मम संकट भारी ॥ 10
- (c) चेतना का सुंदर इतिहास अखिल मानव भावों का सत्य;
विश्व के हृदय-पटल पर दिव्य अक्षरों से अंकित हो नित्य
विधाता की कल्याणी सृष्टि सफल हो इस भूतल पर पूर्ण;
पटें सागर, बिखरें ग्रह-पुंज और ज्वालामुखियाँ हों चूर्ण । 10
- (d) बालहीना माता की पुकार कभी आती, और आता आर्त्तनाद पितृहीन बाल का;
आँख पड़ती है जहाँ, हाय वहीं देखता हूँ सेंदुर पुँछा हुआ सुहागिनी के भाल का;
बाहर से भाग कक्ष में जो छिपता हूँ कभी, तो भी सुनता हूँ अट्टहास क्रूर काल का;
और सोते-जागते में चौंक उठता हूँ, मानो शोणित पुकारता हो अर्जुन के लाल का । 10
- (e) शत घूर्णावर्त, तरंग भंग, उठते पहाड़
जल राशि-राशि जल पर चढ़ता खाता पछाड़
तोड़ता बंध-प्रतिसंध धरा, हो स्फीत वक्ष
दिविजय-अर्थ प्रतिपल समर्थ बढ़ता समक्ष । 10

- Q2.** (a) 'भक्ति-आंदोलन का जन-साधारण पर जितना व्यापक प्रभाव हुआ, उतना किसी अन्य आंदोलन का नहीं' — इस कथन की सार्थकता पर विचार करते हुए कबीर की भूमिका पर प्रकाश डालिए । 20
- (b) 'पद्मावत' काव्य में वर्णित विरह-भावना विप्रलंभ शृंगार की सैद्धांतिक सीमाओं का किन-किन संदर्भों में उल्लंघन करती दिखाई देती है ? विश्लेषण कीजिए । 15
- (c) बिहारी की काव्यकला अपनी ध्वनिक्षम संभावनाओं के साथ-साथ रसाभिव्यक्ति में भी पूरी तरह से सक्षम है — तर्कसम्मत उत्तर प्रस्तुत कीजिए । 15
- Q3.** (a) सिद्ध कीजिए कि 'असाध्य वीणा' सृजनात्मकता के रहस्य को उसकी समग्रता में अभिव्यक्त करती है । 20
- (b) वैश्वीकृत परिदृश्य में मुक्तिबोध की कविता का पुनर्पाठ प्रस्तुत कीजिए । 15
- (c) नागार्जुन की लोक-दृष्टि के आधारभूत तत्त्व कौन-कौन से हैं ? समीक्षा कीजिए । 15
- Q4.** (a) भ्रमर गीत के माध्यम से सूरदास ने किस प्रकार अपनी गहन भक्ति-भावना और अप्रतिम काव्य-कला का परिचय दिया है ? विवेचन कीजिए । 20
- (b) युद्ध की विभीषिका को दिनकर ने अपने काव्य 'कुरुक्षेत्र' में किस प्रकार रेखांकित किया है ? समीक्षा कीजिए । 15
- (c) स्वतंत्रता-संग्राम के व्यापक परिप्रेक्ष्य में मैथिलीशरण गुप्त की 'भारत-भारती' की प्रासंगिकता पर प्रकाश डालिए । 15

SECTION B

Q5. निम्नलिखित गद्यांशों की संदर्भ-सहित व्याख्या (लगभग 150 शब्दों में) कीजिए और उनका सौंदर्य प्रतिपादित कीजिए :

10×5=50

- (a) हाय ! भारत को आज क्या हो गया है ? क्या निस्संदेह परमेश्वर इससे ऐसा ही रूठा है ? हाय, क्या अब भारत के फिर वे दिन न आवेंगे ? हाय, यह वही भारत है, जो किसी समय सारी पृथ्वी का शिरोमणि गिना जाता था । 10
- (b) अधिकार-सुख कितना मादक और सारहीन है । अपने को नियामक और कर्ता समझने की बलवती स्पृहा उससे बेगार कराती है । उत्सवों में परिचारक और अस्त्रों में ढाल से भी अधिकार-लोलुप मनुष्य क्या अच्छे हैं ? 10
- (c) ठाकुर ठीक ही तो कहते हैं, जब हाथ में रुपए आ जाएँ, गाय ले लेना । तीस रुपए का कागद लिखने पर कहीं पचीस रुपए मिलेंगे और तीन-चार साल तक न दिए जाएँ, तो पूरे सौ हो जाएँगे । पहले का अनुभव यही बता रहा था कि कर्ज वह मेहमान है, जो एक बार आकर जाने का नाम नहीं लेता । 10
- (d) दारुण व्यथा और आघात से उसके जड़ मस्तिष्क में केवल एक ही बात स्पष्ट थी — वेश्या स्वतंत्र नारी है । परतंत्र होने के कारण उसके लिए कहीं शरण और स्थान नहीं । दासी होकर वह परतंत्र हो गई ? ... वह स्वतंत्र थी ही कब ? ... अपनी संतान को पा सकने की स्वतंत्रता के लिए ही उसने दासत्व स्वीकार किया । अपना शरीर बेचकर उसने इच्छा को स्वतंत्र रखना चाहा । परंतु स्वतंत्रता मिली कहाँ ? कुल-नारी के लिए स्वतंत्रता कहाँ है ? 10
- (e) मैं अनुभव करता हूँ कि यह ग्राम-प्रांतर मेरी वास्तविक भूमि है । मैं कई सूत्रों से इस भूमि के साथ जुड़ा हूँ । उन सूत्रों में तुम हो, यह आकाश और ये मेघ हैं, यहाँ की हरियाली, हरिणों के बच्चे, पशुपाल हैं । ... यहाँ से जाकर मैं अपनी भूमि से उखड़ जाऊँगा । 10

Q6. (a) 'कविता क्या है' के आधार पर रामचंद्र शुक्ल की कविता संबंधी मूलभूत दृष्टि और उसकी सार्थकता पर विचार कीजिए । 20

(b) प्रेमचंद ने हिन्दी में पहली बार गाँव और कृषक जीवन को अपने उपन्यास-लेखन का केंद्रीय विषय बनाया । 'गोदान' के माध्यम से प्रेमचंद की उक्त औपन्यासिक-दृष्टि की सांस्कृतिक समीक्षा प्रस्तुत कीजिए । 15

(c) हिन्दी निबंध-साहित्य का विषयगत वैविध्य भारतीय संस्कृति की बहुविध विशेषताओं को कैसे शब्दबद्ध कर रहा है ? विवेचन कीजिए । 15

- Q7. (a) प्रवृत्तिगत दृष्टि से क्या नई कहानी पूर्ववर्ती कहानी की मात्र निरंतरता है या विच्छेद ? तर्क सम्मत उत्तर दीजिए । 20
- (b) 'आषाढ़ का एक दिन' नाटक के त्रासदीय तत्त्वों का समीक्षात्मक विश्लेषण कीजिए । 15
- (c) 'महाभोज' उपन्यास को क्या एक सशक्त राजनीतिक उपन्यास का दर्जा दिया जा सकता है ? उपन्यास में चित्रित पात्रों के आधार पर समीक्षा कीजिए । 15
- Q8. (a) 'मैला आँचल' में निहित सामाजिक, राजनीतिक एवं सांस्कृतिक संक्रमण पर प्रकाश डालिए । 20
- (b) 'जयशंकर प्रसाद के नाटकों के स्त्री-पात्र सदैव श्रेष्ठ रहे हैं ।' इस कथन के आलोक में 'स्कंदगुप्त' में स्त्री-पात्र-परिकल्पना की विशेषताओं पर प्रकाश डालिए । 15
- (c) 'भारत दुर्दशा' का इच्छित आदर्श क्या है ? समीक्षात्मक विश्लेषण प्रस्तुत कीजिए । 15

